Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 12-05-2006

Participants : Rathod Shri Harisingh Nasaru

>

Title : Need to provide relief to the persons affected by floods in Maharashtra.

श्री हरिभाऊ राठौड़ (यवतमाल) : महोदय, गत वर्ा महाराट्र में 26 जुलाई को बाढ़ आई थी और वहां काफी बर्बादी हुई थी। आपने देखा था कि बम्बई जैसा शहर पूरा पानी में डूब गया था। हमने देखा था कि देहातों में घर, जो नदी के किनारे थे, बर्बाद हो गए थे। हमने ऐसे लोगों को देखा है जिनके तन पर सिर्फ एक कपड़ा रह गया था, इसके सिवाय उनके पास कुछ नहीं बचा था। इसके बाद जब मैंने यह बात माननीय प्रधानमंत्री महोदय के सामने रखी, उस समय महाराट्र के सारे सांसद भी थे, उसमें भी यह चर्चा हुई थी।

यह तय हुआ था कि जैसे सुनामी में बर्बाद हुए लोगों को रिहैबिलिटेट किया गया था, उसी तरह से महाराट्र में हम मदद करेंगे। इसके बारे में बहुत बड़ी पब्लिसिटी हुई। मैं बताना चाहता हूं कि अभी जून महीने में वहां बरसात शुरू होगी, वहां आज भी लोगों के सिरों पर छत नहीं है। सोचिये अभी तक सरकार ने क्या किया। सरकार ने तुरंत राहत देने के नाम पर दस लीटर केरोसिन और दस किलो चावल लोगों में बांट दिया। उसके बाद उन्होंने एक हजार रुपया पर मैम्बर दिया। सरकार ने पर मैम्बर एक हजार रुपये की मदद देते समय सीलिंग लगाई कि हम पांच हजार रुपये के ऊपर नहीं देंगे। उसके बाद तय हुआ कि हम सुनामी की तरह रिहैबिलिटेट करते हुए लोगों को घर देंगे तथा जिनके घर पूरी तरह से बर्बाद हो गये हैं, उन्हें सरकार चालीस हजार रुपये देगी और जिन लोगों के घर आधे बह गये हैं या नट हो गये हैं, उन्हें बीस हजार रुपये देगी। लेकिन आज भी ऐसे बहुत से परिवार हैं, जिन्हें कुछ नहीं मिला। मेरे यवतमाल जिले में खासकर डिगरस में लोग स्कूल में पनाह लिये हुए हैं। अभी बरसात आने वाली है। मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि सरकार हमेशा गरीबों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है।

MR. CHAIRMAN : You cannot make a speech. You may conclude now. It is a mention under 'Zero Hour', to be made in two sentences.

श्री हरिभाऊ राठौड़ : सर, मैं कंक्लूड कर रहा हूं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार सही तरीके से वहां के प्रभावित लोगों को राहत देने वाली है या सरकार वैसे ही आश्वासन देकर पब्लिसिटी करना चाहती है और लोगों को यह जताना चाहती है कि वास्तव में हम ऐसा करने जा रहे हैं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है। वहां आज भी लोग बर्बाद होकर बैठे हैं। जो लोग झाड़ू लगाते हैं, जो रिक्शा चलाते हैं, जिनकी तनख्वाह हजार या डेढ़ हजार रुपये है, जिनके घर बर्बाद हो गये हैं, जिनके बर्तन बह गये हैं, घर का सारा सामान बह गया है, वे लोग कैसे उभर पायेंगे, वे लोग कैसे अपना घर बसा पायेंगे, वे लोग कैसे जीयेंगे, यह सोचने वाली बात है। मुझे अच्छी तरह से याद है खुद प्रधान मंत्री जी ने हमारे सामने यह बोला था कि आप पैसे की चिंता मत कीजिए, जितना भी पैसा चाहिए, केन्द्र सरकार देगी।

MR. CHAIRMAN : I am sorry; you are making a speech. That is not required. Only a point is to be made.

श्री हरिभाऊ राठौड़ : मेरा प्वाइंट यह है कि क्या सरकार वास्तव में इन लोगों को रिहैबिलिटेट करने वाली है। अभी जून महीने में बरसात शुरू होने वाली है। मेरी सरकार से विनती है कि सरकार ने जो वायदा किया था तथा लोगों को जो मैसेज दिया था कि हम ऐसे मदद करने जा रहे हैं और सुनामी से प्रभावित लोगों की तरह यहां भी लोगों को रिहैबिलिटेट करने जा रहे हैं, मैं समझता हूं कि बरसात के पहले सरकार को अपने उस वायदे को जरूर पूरा करना चाहिए। आपके माध्यम से यही मेरी सरकार से विनती है।